Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Answer Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

D—9107

PAPER—II

PRAKRIT

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Serial No. of the booklet should be entered in the Answer-sheets and the Serial No. of Answer Sheet should be entered on this Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ● (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या उत्तर-पत्रक पर अंकित करें और उत्तर-पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ● (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT
प्राकृत
PAPER – II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

टिप्पणी : इमम्मि पण्हपत्ते **पन्नासा** (50) बहु-विकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति। पत्तेगं पण्हं **दुबे** (2) अंकस्स अत्थि। **सब्बाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति।

1. Śwetambara Jain Agamas are mostly written in this language :
श्वेताम्बर जैनागमों की भाषा यह है :
श्वेताम्बरजेणागमाणं भासा इमा अत्थि :

(A) शौरसेनी

(B) अर्धमागधी

(C) अपभ्रंश

(D) पैशाची

2. This language represents Middle-Indo-Aryan period :
यह मध्यभारतीययुगीन आर्यभाषा है :
इमा मज्झभारतीयजुगीणा अज्ज-भासा अत्थि :

(A) तमिल

(B) बंगला

(C) पाइय

(D) वैदिक संस्कृत

3. This statement is true :
यह सिद्धान्त सत्य है :
इमं सिद्धंत्थं सच्चं अत्थि :

(A) प्राकृत में केवल ऌ ॡ का प्रयोग होता है।

(B) प्राकृत में केवल ऋ ॠ का प्रयोग होता है।

(C) प्राकृत में ऋ ॠ ऌ ॡ का प्रयोग होता है।

(D) प्राकृत में ऋ ॠ ऌ ॡ का प्रयोग नहीं होता है।

4. The presentation of 'द' is found comparetively more in this Prakrit :
इस प्राकृत में 'द' की बहुलता है :
'द' वण्णस्स बहुपओगा कयमत्थि अम्हि पाइयभासम्हि :
(A) चूलिका-पैशाची
(B) पैशाची
(C) शौरसेनी
(D) महाराष्ट्री

5. 'Paishachi' is considered as a language of this developmental stage of Prakrit :
'पैशाची-प्राकृत' प्राकृत के विकास के इस युग की भाषा मानी जाती है :
'पेसाची' त्ति पाइयविगासस्स अस्स जुअस्स भासा मण्णाइ :
(A) मध्ययुगीन प्राकृत
(B) प्रथमयुगीन प्राकृत
(C) तृतीययुगीन प्राकृत
(D) आधुनिकयुगीन प्राकृत

6. In Prakrit, the last consonent 'म' is changed into :
प्राकृत में पदान्त 'म्' के स्थान में होता है :
पाइयभासम्हि पदांतस्स 'म्' थाणे इदं परिवट्टणं होदि :
(A) विसर्ग
(B) अनुस्वार
(C) दीर्घ
(D) हलन्त

7. In Prakrit word - 'Kosio' (कोसिओ) the grammatical change by the sūtra 'Auta-ota' (औत-ओत) is this :
प्राकृत 'कोसिओ' शब्द में 'औत-ओत' सूत्र से यह व्याकरणिक परिवर्तन हुआ है :
पाइय 'कोसिओ' सद्दे 'औत-ओत' सुत्तेण इंद परिवट्टणं जादं :
(A) स्वरलोप
(B) व्यंजनपरिवर्तन
(C) स्वरपरिवर्तन
(D) व्यंजनलोप

8. Read the following groups and write the correct answer :

निम्न वर्गों को पढ़िए और सही उत्तर लिखिए :

निम्मवगाणि पढ़ सुट्ठु य उत्तरं वि लिह :

(i) पैशाची में क् ध्वनि घ् में परिवर्तित होती है।

(ii) अर्धमागधी में स् ध्वनि श् में परिवर्तित हो जाती है।

(iii) महाराष्ट्री में र् ध्वनि ल् में परिवर्तित होती है।

(iv) पालि में संयुक्तव्यंजन त्य का च्च रूप हो जाता है।

(A) (i) + (ii)

(B) (i) + (iii)

(C) (i) + (iv)

(D) (ii) + (iv)

9. The rules in order to case ending in Prakrit are :

प्राकृत में कारक के सम्बन्ध में ये नियम लागू होते हैं :

पाइयकारकविसये इमाणि णियमाणि पयुज्जाणि होन्ति :

अ – चतुर्थी विभक्ति नहीं होती

ब – चतुर्थी के अर्थ में षष्ठी विभक्ति होती है

स – प्राकृत में आठ कारक होते हैं

(A) अ

(B) अ एवं ब

(C) अ, ब एवं स

(D) कोई नहीं

10. In view of Kāraka the correct vibhakti (case-ending) in this sentance is used as :

कारक की दृष्टि से सही विभक्ति का प्रयोग इस वाक्य में हुआ है :

कारगदिट्ठिए समुचिद विभत्तिआ पयोगो अम्हि वाक्कम्हि सञ्ञाओ :

(A) धणेण लद्धो

(B) चोरस्स बीहइ

(C) देवाण नमो

(D) सीमंधरम्हि वन्दे

11. This is not an Āgama-Granth :

यह आगमग्रंथ नहीं है :

अयं आगमगंधो नत्थि :

(A) औपपातिकसूत्र

(B) राजप्रश्नीयसूत्र

(C) रावणवहो

(D) विपाकसूत्र

12. Ardhamāgadhi Āgama literature is compiled and written by :

अर्धमागधी आगम साहित्य इनके द्वारा संकलितकर लिपिबद्ध किया गया :

अद्धमागही-आगमसाहिच्चं अणेण संगहियं लिहिबद्धं य कयं :

(A) सिद्धसेन दिवाकर

(B) हेमचन्द्र

(C) शय्यंभव

(D) देवर्द्धि क्षमाश्रमण

13. Upānga Āgama is :

उपांग आगम है :

उवांगागमो अत्थि :

(A) दिट्ठिवाद

(B) जीवाभिगम

(C) विपाकसूत्र

(D) अनुत्तरौपपातिक

14. Author of Daśavaikālika is :

दशवैकालिक के रचनाकार हैं :

दसवेआलियस्स रचयिता अत्थि :

(A) शय्यंभव

(B) संभव

(C) महाभव

(D) सकलभव

15. The language of Acārānga is :

आचारांग की भाषा है :

आयारंगस्स भासा अत्थि :

(A) शौरसेनी

(B) महाराष्ट्री

(C) मागधी

(D) अर्धमागधी

16. The name of Book of Sanghdasagaṇi is :

संघदासगणि की रचना का नाम है :

संघदासगणिस्स रचनाअ नाम अत्थि :

(A) धूर्ताख्यान

(B) तरंगवती

(C) लीलावती

(D) वसुदेवहिण्डी

17. The works of Haribhadrasūri are :

हरिभद्रसूरि की रचनाएँ हैं :

हरिभद्दसूरिणो रचना सन्ति :

(A) समराइच्चकहा, सुरसुन्दरीकहा, कुवलयमाला

(B) समराइच्चकहा, षड्दर्शनसमुच्चय, धूर्ताख्यान

(C) भगवती आराधना, श्रावकप्रज्ञप्ति, मूलाचार

(D) कुवलयमाला, धूर्ताख्यान, सुरसुन्दरीकहा

18. The work of Acharya Vimalsūri related to Ram story is :

रामकथा से सम्बद्ध आचार्य विमलसूरि कृत काव्य का नाम है :

रामकहाअ सम्बद्धं आयरिय विमलसूरिकअं कव्वं नाम अत्थि :

(A) सियाचरियं

(B) रामचरियं

(C) सुरसुन्दरीचरियं

(D) पउमचरियं

19. The style of Gahāsatasaī epic is :

गाहासतसई काव्य की विधा यह है :

गाहासतसईकव्वस्स इमा विहा अत्थि :

(A) महाकाव्य

(B) कथाकाव्य

(C) मुक्तककाव्य

(D) नाटक

20. The work of Puṣpadanta is :

पुष्पदन्त की रचना है :

पुप्फदंतस्स रयणा अत्थि :

(A) गउडवहो

(B) रावणवहो

(C) पउमचरिउं

(D) णायकुमारचरिउं

21. Read the Units I and II for correct match :

प्रथम और द्वितीय खण्डों के सही मिलान के लिए पढ़िये :

पढ़म-वियखण्डाणं सुट्ठु मेलनं पढ :

	I		**II**
(a)	रुद्रदास	(i)	आनंदमंजरी
(b)	घनश्याम	(ii)	रंभामंजरी
(c)	नयचन्द्र	(iii)	श्रृंगारमंजरी
(d)	विश्वेश्वर	(iv)	चंदलेहा

Write the correct answer :

सही उत्तर लिखिए :

सुट्ठु उत्तरं लिह :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

22. Shūdraka is a writer of this text :

शूद्रक की यह रचना है :

शूद्रकस्स इमा रयणा अत्थि :

(A) स्वप्नवासवदत्तं

(B) मृच्छकटिकं

(C) अविमारकं

(D) मध्यमव्यायोगं

23. **चेट :** जादिशे हग्गे पलपिण्डभक्खके भूदे।
ता अकज्जं ण कलइश्शं।

शकार : अले! ण मालिश्शशि।

Which word represents for Aham̐ (अहं) in above mentioned quotation.

उपर्युक्त उद्धरण में 'अहं' के लिए इस शब्द का प्रयोग हुआ है :

उवरि गज्जंसे/उद्धरणे 'अहं' इच्चस्स अयं सद्दपयोगो जाओ :

(A) अकज्जं

(B) हग्गे

(C) जादिशे

(D) अले

24. The number of Aṅkas in the Karpūrmañjarī are :

कर्पूरमंजरी में कितने अङ्क हैं :

कर्पूरमंजरीए कइओ अंगा संति :

(A) आठ

(B) दस

(C) छह

(D) चार

25. जेण म्हि गल्भदाशे विणिम्मिदे भाअधेअदोशेहिं।
अहिअं च ण कीणिस्सं तेण अकज्जं पलिहलामि।।
Above verse is taken from this book :
उपर्युक्त गाथा इस ग्रंथ से ली गयी है :
उवरि-उत्ता गाहा इमम्मि गंथे अत्थि :
(A) कर्पूरमञ्जरी
(B) स्वप्नवासवदत्ता
(C) मृच्छकटिकं
(D) अविमारकं

26. Hāthigumphā inscription was written by :
हाथीगुंफा शिलालेख लिखवाया था :
हाथीगुंफासिलालेहं लेहाविअं :
(A) बिम्बसार
(B) अशोक
(C) खारवेल
(D) चामुण्डराय

27. The script of Khravela-Edict is :
खारवेल के शिलालेख की लिपि है :
खारवेलस्स सिलालेहस्स लिपि अत्थि :
(A) खरोष्ठी
(B) तमिल
(C) ब्राह्मी
(D) शारदा

28. The numbers of Ashoka Rock-edicts Girnar version are :
सम्राट् अशोक के गिरनार प्रस्तर शिलालेखों की संख्या है :
सम्राड़ असोगस्स गिरनार पत्थर सिलालेहाणी संखा अत्थि :
(A) 7
(B) 14
(C) 21
(D) 28

29. The script of Samraṭ Ashokan-Inscriptions is :
सम्राट् अशोक के अभिलेखों की लिपि है :
सम्राड़ असोगस्स अहिलेहाण -लिवि अत्थि :

(A) मुडिया

(B) गुप्त

(C) ब्राह्मी

(D) शारदा

30. The Girnar edicts were inscribed by this Emperar :
गिरनार शिलालेख इस सम्राट् ने लिखवाये थे :
गिरनारसिलालेहा अणेण समराडेन लेहाविया :

(A) स्कन्धगुप्त

(B) चन्द्रगुप्त

(C) बिन्दुसार

(D) अशोक

31. The second name of Deśīnāmamālā is :
देशीनाममाला का दूसरा नाम है :
देसीणाममालाए वीयो णाम अत्थि :

(A) रयणावली

(B) पाइयलच्छीनाममाला

(C) प्राकृतपैंगलम्

(D) कविदर्पण

32. प्राकृतपैंगलं is a work of this trend :
प्राकृतपैंगलं इस विधा की रचना है :
पाइयपेंगलं इमाए विहाए रयणाकयं अत्थि :

(A) काव्यशास्त्र

(B) कोश

(C) छन्दशास्त्र

(D) व्याकरणशास्त्र

33. The main subject-matter of Prakrit Gāhālakkhaṇa is :
प्राकृत गाहालक्खण का मुख्य विषय है :
पाइय-गाहालक्खणस्स मुक्खविसयमत्थि :
(A) रस
(B) व्याकरण
(C) छन्द
(D) अलंकार

34. पाइयलच्छीई नाममाला is a work of this trend :
पाइयलच्छीनाममाला इस विधा की रचना है :
पाइयलच्छीणाममाला इमाए विहाए रयणाकयमत्थि :
(A) काव्यशास्त्र
(B) छन्दशास्त्र
(C) व्याकरणशास्त्र
(D) कोश

35. Vrittajātisamuccaya was written by :
वृत्तजातिसमुच्चय इनके द्वारा लिखा गया है :
वित्तजाइसमुच्चयं अणेण विरइयं अत्थि :
(A) नन्दिताढ्य
(B) विरहांक
(C) त्रिविक्रम
(D) अज्ञात

36. The root and the suffix division in the word - जाणित्ता is as under :
'जाणित्ता' का प्रकृति-प्रत्यय विभाग इस प्रकार है :
'जाणित्ता' अस्स पगदिपच्चयविहागो अणेण पगोरण अत्थि :
(A) जाण + क्त्वा
(B) ज्ञा + क्त्वा
(C) ञाण + क्त्वा
(D) जाण + अनीयर

37. The example of 'लोपोऽरण्ये' सुतस्स is this :

'लोपोऽरण्ये' सूत्र का उदाहरण यह है :

'लोपोऽरण्ये' सुत्तेस्स उदाहरणं इदं अत्थि :

(A) पण्णं

(B) दण्णं

(C) रण्णं

(D) कण्णं

38. The Prakrit form of 'गम्यते' is this :

'गम्यते' का प्राकृत रूप यह है :

'गम्यते' अस्स पाइयरूवं इदं अत्थि :

(A) गमिज्जइ

(B) गमिस्सइ

(C) गमिज्जेय्य

(D) गमिज्जेइ

39. The genetive singular form of the word साहु is :

साहु शब्द की षष्ठी एकवचन का रूप है :

साहु सद्दस्स षट्ठी-एकवयणस्स रूवं अत्थि :

(A) साहुणा

(B) साहुस्स

(C) साहूण

(D) साहुम्हि

40. The nominative form of Pronoun 'Amh' -- in masculine gender is :

'अम्ह' सर्वनाम शब्द की पुल्लिंग में प्रथमा विभक्ति रूप यह है :

'अम्ह' सव्वणाम सद्दस्स पुल्लिंगे पढमा-विहत्तिरूवं इदं अत्थि :

(A) हं

(B) अम्हम्मि

(C) अम्हत्तो

(D) अम्हस्स

41. These are Astikayas :
ये अस्तिकाय है :
इमा अत्थिकाया संति :
(A) जीव, अजीव, आस्रव, संवर, निर्जरा
(B) जीव, पुद्गल, धर्म, अधर्म, आकाश
(C) जीव, काल, पुण्य, पाप, मोक्ष
(D) जीव, पुद्गल, धर्म, अधर्म, काल

42. The famous book of Kundakunda is this :
कुन्दकुन्द की प्रसिद्ध रचना यह है :
कुन्दकुन्दस्स पसिद्धरयणा इमा अत्थि :
(A) षड्दर्शनसमुच्चय
(B) तत्त्वार्थसूत्र
(C) तिलोयपण्णत्ति
(D) समयसार

43. 'जो सहस्सं सहस्साणं'
This quotation is found in this Āgama :
उक्त उद्धरण इस आगम में है :
इदं उद्धरणं अस्सागमस्स अत्थि :
(A) उत्तराध्ययन नवम अध्ययन
(B) दशवैकालिक प्रथम अध्ययन
(C) आचारांग द्वितीय अध्ययन
(D) सूत्रकृतांग प्रथम अध्ययन

44. 'बहुं खु मुणिणो भद्दं, अणगारस्स भिक्खुणो'
Who gave this statement to whom ?
यह कथन किसने किसके लिये किया है?
इमं कहणं केण कस्स कअं?
(A) देवेन्द्र ने नमिराजर्षि को
(B) नमिराजर्षि ने देवेन्द्र को
(C) नमिराजर्षि ने राजुल को
(D) राजुल ने नमिराजर्षि को

45. The time of author Nemichandra of Dravyasaṅgrah is :

द्रव्यसंग्रह के रचनाकार नेमिचन्द्र का समय है :

दव्वसंग्गहस्स रयणागारनेमिचन्दस्स कालो अत्थि :

(A) पाँचवीं शताब्दी

(B) तीसरी शताब्दी

(C) पहली शताब्दी

(D) दसवीं शताब्दी

46. The starves of those House-holders who got liberation to destroy their doings (Karmās) are in this Śrutāṁga :

इस श्रुतांग में उन श्रावकों के आख्यान हैं जिन्होंने अपने कर्मों का अन्त कर मुक्ति प्राप्त की :

अम्हि सुत्तंगम्हि तेसां सावगाणमारवाणि येहि सगकम्माण स्वयं किच्चा मुत्तिं लहीअ :

(A) नायाधम्मकहाओ

(B) उपासगदसाओ

(C) निरयावलिओ

(D) अन्तगडदसाओ

47. Satthapariṇṇā chapter belongs to this Āgama :

सत्थपरिण्णा अध्ययन इस आगम का अध्याय है :

'सत्थपरिण्णा' - अज्झयणस्स अस्सागमस्स अज्झयणं अत्थि :

(A) समवायाङ्ग

(B) सूत्रकृतांग

(C) आचारांग

(D) स्थानांग

48. The works of Hemachandra are :

आचार्य हेमचन्द्र की रचनाएँ हैं :

आयरिय हेमचंदस्स रयणा संति :

(A) गउडवहो, पाइअलच्छीनाममाला, नागपंचमीकहा

(B) जिनदत्ताख्यान, धम्मरसायण, वज्जालग्गं

(C) गाहासत्तसई, रयणावली, पासनाहचरियं

(D) कुमारपालचरित, देशीनाममाला, सिद्धहेम-शब्दानुशासन

49. The author of Sanmatisūtra is :

सन्मतिसूत्र के रचयिता है :

सम्मइसुत्तस्स रचइदा अत्थि :

(A) वट्टकेर

(B) सिद्धसेन

(C) पूज्यपाद

(D) हेमचन्द्र

50. This book is written by Achārya Nemichandra :

आचार्य नेमिचन्द्र ने यह ग्रंथ लिखा है :

आयरियणेमिचंदेण गंथमिदं विरइयं :

(A) सन्मतितर्कप्रकरण

(B) कुवलयमाला

(C) द्रव्यसंग्रह

(D) णायकुमारचरियं

- o O o -

Space For Rough Work